

बिहार का जहानाबाद 100% डिजिटल बैंकिंग वाला पहला ज़िला बना

चर्चा में क्यों?

11 अक्टूबर, 2022 को भारतीय रिज़र्व बैंक और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से बिहार का जहानाबाद ज़िला पहला 100 फीसदी डिजिटल बैंकिंग वाला ज़िला बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में लोगों को घर-बैठे बैंकिंग सुविधा का लाभ देने के लिये डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि हर ज़िला, हर कस्बा और हर पंचायत डिजिटल हो सक। इस दिशा में भारतीय रिज़र्व बैंक और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बिहार के तीन ज़िलों में डिजिटल बैंकिंग को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं।
- डिजिटल बैंकिंग के इस अभियान के प्रतिलिपि के रूप में जहानाबाद ज़िला पहला 100 फीसदी डिजिटल बैंकिंग वाला ज़िला बन गया है और जल्द ही अरवल तथा शेखपुरा शत-प्रतिशत डिजिटल बैंकिंग वाले ज़िला बनने वाले हैं।
- जहानाबाद ज़िले में कुल 1035126 सक्रिय खाताधारकों में से 1031235 के पास कम-से-कम एक डिजिटल बैंकिंग उत्पाद, यानी इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और दूसरी इसी तरह की सुविधाएँ हैं। यह कुल सक्रिय खाता का 65 फीसदी है। करेंट खाता में करीब 17944 खाता हैं, जिनमें 11887 खाताधारक इंटरनेट बैंकिंग, 4452 पोओएस या क्यूआर कोड और 8450 मोबाइल बैंकिंग सेवा का उपयोग करते हैं।
- अरवल में 609662 बैंक खाते हैं, जिनमें से 552221 सक्रिय बैंक खाते हैं। इसका लगभग 58% डिजिटल उत्पाद से जुड़े हुए हैं, जबकि शेखपुरा में अभी तक 89.18% खाते डिजिटल उत्पाद से जुड़े हैं।
- वित्तीय लेन-देन में डिजिटल पेमेंट सिस्टम की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कैश देने की ज़रूरत नहीं होती है। कार्ड से पेट्रोल खरीदने से लेकर, रेल टिकट, हाइवे पर टोल और बीमा खरीदने जैसी कई तरह की छूट भी मिलती हैं।
- उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार और रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2019 में देश के प्रत्येक राज्य में कम-से-कम एक ज़िला को सौ फीसदी डिजिटल बैंकिंग सेवा वाला ज़िला बनाने का निर्णय लिया था।
- इसी के तहत बिहार में जहानाबाद ज़िला का चयन किया गया और राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति ने सभी हिससेदार (स्टेकहोल्डर) के साथ रणनीति बनाकर काम किया और जहानाबाद डिजिटल बैंकिंग वाला ज़िला घोषित किया गया है।